रविवार, 22 मार्च, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

युवा वैभव को सोशल मीडिया से दूर रहने की सख्त हिदायत

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

BTS कमबैक पर बड़ा संकट

Page-05

मिडिल ईस्ट तनाव

ईरान की अमेरिका-इज़राइल को कड़ी चेतावनी, कहा—हमले का मिलेगा जोरदार जवाब

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका और इज़राइल को सख्त चेतावनी दी है। ईरान ने स्पष्ट कहा है कि उसके बुनियादी ढांचे पर किसी भी तरह का हमला किया गया तो उसका व्यापक और कड़ा जवाब दिया जाएगा। यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया तसनीम न्यूज़ एजेंसी ने दी है।केंद्रीय खातम अल-अनबिया मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि अगर आक्रामक गतिविधियां जारी रहती हैं, तो ईरान की सशस्त्र सेनाएं अपनी जवाबी कार्रवाई को और तेज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि ईरान के ठिकानों को निशाना बनाया गया, तो वह दुश्मनों के और भी अहम बुनियादी ढांचों को निशाना बनाएगा।प्रवक्ता ने यह भी कहा कि ईरान सिर्फ अपनी रक्षा ही नहीं कर रहा, बल्कि क्षेत्रीय सुरक्षा और मुस्लिम देशों के हितों की रक्षा के लिए भी सक्रिय है। उन्होंने भरोसा जताया कि ईरान की ताकत बरकरार है और आगे भी बनी रहेगी।रिपोर्ट के मुताबिक, खातम अल-अनबिया मुख्यालय ईरान की सर्वोच्च सैन्य संचालन इकाई है, जो सेना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के बीच समन्वय करती है। प्रवक्ता ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की मजबूत स्थिति का भी जिक्र किया और संकेत दिया कि मौजूदा संघर्ष लंबा खिंच सकता है, जिसमें प्रतिरोध ही प्रमुख रणनीति होगी।

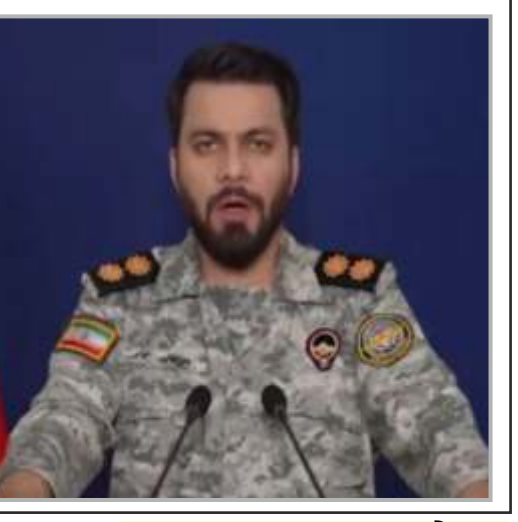

पीएम मोदी की ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा की। उन्होंने राष्ट्रपति को ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में शांति की कामना की।बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में हालिया हमलों की निंदा करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं और इससे वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित होती है। प्रधानमंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहना बेहद जरूरी है।इसके अलावा पीएम मोदी ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए वहां की सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना भी की।

इज़रायल ने दी हमले तेज करने की चेतावनी

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ईरान द्वारा ब्रिटेन और अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ गया है। इस घटना के बाद इज़रायल और अमेरिका को ईरान की मिसाइल क्षमता का अंदाजा और गहराई से होने लगा है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान की मिसाइलों की सटीक मारक क्षमता को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन अमेरिका पहले भी यह आशंका जता चुका है कि तेहरान के पास लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें मौजूद हैं। डिएगो गार्सिया एयर बेस पर हमले के बाद इज़रायल ने तेहरान के खिलाफ कार्रवाई तेज करने की चेतावनी दी है।इज़रायल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्र्ज ने कहा कि आने वाले दिनों में ईरान के खिलाफ हमले और तेज किए जाएंगे। वहीं, ब्रिटेन ने भी हिंद महासागर में स्थित यूके-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अड्डे को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की है।बताया जा रहा है कि डिएगो गार्सिया एयर बेस ईरान से करीब 4,000 किलोमीटर दूर है। ऐसे में इस हमले को ईरान की लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्षमता का संकेत माना जा रहा है।

चुनाव के बाद महंगाई बढ़ने का दावा

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और देश के कई राज्यों में विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के बीच कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महंगाई को लेकर बड़ी आशंका जताते हुए कहा कि चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और LPG गैस सिलेंडर के दामों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है।शनिवार (21 मार्च, 2026) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने भारतीय रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होने पर चिंता जताई। उन्होंने लिखा कि रुपया 100 के स्तर की ओर बढ़ रहा है और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेजी सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि आने वाली महंगाई के संकेत हैं।राहुल गांधी के मुताबिक, इसका सीधा असर उत्पादन और ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ेगा, जिससे रोजमर्रा की चीजें महंगी होंगी। उन्होंने कहा कि MSMEs को सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ेगा और विदेशी निवेशकों (FII) का पैसा भी तेजी से बाहर जा सकता है, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा।उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार के पास न कोई ठोस दिशा है और न ही स्पष्ट रणनीति, सिर्फ बयानबाजी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि असली सवाल यह नहीं है कि सरकार क्या कह रही है, बल्कि यह है कि आम जनता की थाली में क्या बच रहा है।राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए महंगाई को लेकर बड़ा दावा किया है।उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल और LPG के दाम बढ़ सकते हैं।रुपये की कमजोरी और बढ़ती ईंधन कीमतों को उन्होंने महंगाई का संकेत बताया।उनके मुताबिक इसका सीधा असर आम लोगों की जेब और रोजमर्रा के खर्च पर पड़ेगा।

अमृतसर सुसाइड केस में कार्रवाई मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने दिया इस्तीफा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

अमृतसर में पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले में बड़ा राजनीतिक असर देखने को मिला है। इस मामले में ट्रांसपोर्ट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।बताया जा रहा है कि गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को जिम्मेदार ठहराया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला गंभीर हो गया।इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भुल्लर से इस्तीफा ले लिया और उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया। सीएम ने कहा कि अधिकारी की आत्महत्या और वीडियो में लगाए गए आरोपों को गंभीरता से लिया गया है, जिसके चलते यह फैसला किया गया है।सरकार ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने की बात कही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके।वहीं, इस घटना के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में भी हलचल तेज हो गई है। परिजनों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल खड़े किए हैं।

आर्थिक संकट से निपटने के लिए सख्त कदम,

हिमाचल में CM से लेकर अफसरों तक वेतन कटौती

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

हिमाचल प्रदेश की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने अपने चौथे बजट में बड़ा और सख्त फैसला लिया है। सरकार ने मुख्यमंत्री के वेतन में 50 प्रतिशत, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन में 30 प्रतिशत तथा विधायकों के वेतन में 20 प्रतिशत कटौती करने का ऐलान किया है।राज्य की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसके तहत बोर्ड और निगमों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सलाहकारों के वेतन में भी 20 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। वहीं, आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों के वेतन में छह महीने के लिए 30 प्रतिशत तक कटौती लागू की गई है।इसके अलावा चीफ सेक्रेटरी, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, डीजीपी और एडीजीपी के वेतन में भी 30 प्रतिशत की कटौती होगी। ग्रुप A और B अधिकारियों के वेतन का 3 प्रतिशत हिस्सा अगले छह महीनों तक काटा जाएगा, जबकि ग्रुप C और D कर्मचारियों को इस कटौती से पूरी तरह बाहर रखा गया है।मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि राज्य गंभीर आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए सभी को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कटौती अस्थायी है और हालात सुधरने पर इसकी समीक्षा कर वेतन वापस किया जाएगा। साथ ही उन्होंने न्यायपालिका से भी सहयोग की अपील की है।सरकार के इस फैसले को वित्तीय अनुशासन की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।विधानसभा अध्यक्ष ने भी वेतन कटौती का समर्थन किया, जिस पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार जताया।

"सिर्फ मजबूत सेना नहीं, जागरूक और एकजुट नागरिक भी जरूरी"

देश की सुरक्षा पर रक्षा मंत्री का बड़ा संदेश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब सीमाओं से आगे बढ़कर आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा तक पहुंच चुका है। उन्होंने सशक्त सेना के साथ जागरूक नागरिकों की जरूरत बताई और युवाओं से अनुशासन, साहस व अनुकूलनशीलता अपनाने का आह्वान किया, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे कई आयामों तक फैल चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए एक सशक्त सेना के साथ-साथ जागरूक और एकजुट नागरिकों की भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका है।राजनाथ सिंह उत्तराखंड के घोराखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बदलते वैश्विक परिदृश्य और युद्ध के नए स्वरूपों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है, जहां पारंपरिक लड़ाइयों के साथ-साथ आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध जैसे नए खतरे तेजी से उभर रहे हैं। ऐसे में देश के हर नागरिक को सतर्क, जागरूक और तैयार रहने की आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आर्थिक मजबूती, डिजिटल सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा जैसे पहलू भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन सभी क्षेत्रों में मजबूती ही देश को किसी भी संकट का सामना करने में सक्षम बनाएगी।राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सशस्त्र बलों को आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक तकनीकों से लैस करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सेना को हर दृष्टि से सशक्त बनाना है, ताकि वह किसी भी चुनौती का प्रभावी ढंग से सामना कर सके।उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे अनुशासन, दृढ़ संकल्प और सकारात्मक सोच के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करें। उन्होंने कहा कि आज का समय 'VUCA' यानी अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट परिस्थितियों का है। ऐसे माहौल में युवाओं को दूरदर्शिता, समझ, साहस और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को अपनाने की जरूरत है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें।रक्षा मंत्री ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के तहत देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में रिक्तियों को बढ़ाकर कैडेटों की संख्या 17 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण और अनुशासन का अवसर मिल सके।राजनाथ सिंह ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश को एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताते हुए कहा कि इससे 'नारी शक्ति' को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में ये बेटियां विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करेंगी और नेतृत्व की नई मिसाल कायम करेंगी। सैनिक स्कूल, घोराखाल के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रक्षा मंत्री ने छात्रों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान वर्षों से देश को उत्कृष्ट सैन्य अधिकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक इस स्कूल से 800 से अधिक छात्र राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में चयनित हुए हैं, जबकि 2,000 से अधिक उम्मीदवार संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा (सीडीएस) और वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से सशस्त्र बलों में शामिल हो चुके हैं।

'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' की रिलीज रोकी गई, संवेदनशील विषय बना वजह

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी तनाव का असर अब भारत की सॉफ्ट पावर पर भी देखने को मिल रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्कर के लिए नामांकित फिल्म 'द वॉइस ऑफ हिंद रजब' की रिलीज पर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) ने रोक लगा दी है। यह फिल्म इस सप्ताह रिलीज होने वाली थी, लेकिन मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को देखते हुए इसे रोक दिया गया।रिपोर्ट के मुताबिक, सेंसर बोर्ड को आशंका है कि फिल्म की संवेदनशील विषयवस्तु भारत और इजरायल के संबंधों पर असर डाल सकती है। यह डॉक्यूड्रामा ट्यूनीशियाई निर्देशक कौथर बेन हानिया द्वारा निर्देशित है और 2024 में गाजा में हुई एक दर्दनाक घटना पर आधारित है। फिल्म में पांच वर्षीय फिलिस्तीनी बच्ची हिंद रजब की कहानी दिखाई गई है, जो इजरायली हमले के दौरान एक कार में मृत पाई गई थी। इसके साथ ही, फिल्म में फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी द्वारा उसे और उसके चचेरे भाई को बचाने के प्रयासों को भी दर्शाया गया है। फिल्म के वितरक मनोज नंदवाना ने बताया कि 27 फरवरी को सीबीएफसी सदस्यों के लिए इसकी स्क्रीनिंग की गई थी। हालांकि, बाद में उन्हें सूचित किया गया कि फिल्म की रिलीज से भारत-इजरायल संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और इजरायल के बीच रक्षा और तकनीक समेत कई क्षेत्रों में मजबूत साझेदारी विकसित हुई है। भारत ने गाजा संघर्ष और ईरान-इजरायल तनाव के दौरान संतुलित रुख अपनाया है और किसी भी पक्ष का खुलकर समर्थन या विरोध नहीं किया है। ऐसे में यह निर्णय इसी कूटनीतिक संतुलन को बनाए रखने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। फिल्म की रिलीज पर रोक को लेकर विवाद भी शुरू हो गया है। विपक्षी दलों के साथ-साथ खुद निर्देशक कौथर बेन हानिया ने भी इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में एक फिल्म से संबंधों पर खतरा बताना निराशाजनक है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए नया कानून, राज्यसभा में पेश होगा बड़ा विधेयक

तकनीक से होगी कर चोरी पर लगाम, सिस्टम खुद पकड़ेगा दोषी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों से करदाताओं के लिए व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ईमानदार करदाताओं का जीवन आसान किया जाए, जबकि जानबूझकर कर चोरी करने वालों को पकड़ने के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाए। सीतारमण 'प्रारंभ 2026: आयकर अधिनियम, 2025' पर आयोजित राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान को संबोधित कर रही थीं। यह नया कानून एक अप्रैल 2026 से लागू होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अधिनियम भारत को एक अधिक कर-अनुकूल देश बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अभियान के तहत प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, डिजिटल और सोशल मीडिया जैसे विभिन्न माध्यमों से लोगों को नए कानून की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा, "कर भुगतान को इतना सरल बनाइए कि ईमानदारी स्वाभाविक विकल्प बन जाए। लेकिन जो लोग जानबूझकर कर चोरी करते हैं, उन्हें तकनीक के जरिए पकड़ लिया जाएगा।" उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई करदाता ईमानदार है, तो व्यवस्था उसका सहयोग करेगी, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है कि संसद ने 12 अगस्त 2025 को छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह नया आयकर विधेयक पारित किया था। इस नए कानून में कर दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, बल्कि प्रक्रियाओं को सरल और स्पष्ट बनाने पर जोर दिया गया है। सीतारमण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्थानीय भाषाओं में लोगों को जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस कानून को समझ सकें। उन्होंने मुकदमेबाजी कम करने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि कर अधिकारियों को केवल कर संग्रहकर्ता नहीं, बल्कि सरकार और करदाताओं के बीच सेतु की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से सहानुभूति, निष्पक्षता और दक्षता के साथ काम करने की अपील की। उन्होंने कहा, "करदाता आपका विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आपका भागीदार है।" अपने संबोधन के दौरान सीतारमण ने मानसिकता में बदलाव पर जोर देते हुए पुरानी हिंदी फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' के गीत की पंक्तियां भी उद्धृत कीं और नए दौर के अनुरूप कर प्रणाली को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि नई अनुमानित कराधान योजना को मजबूत किया गया है, जिससे विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को राहत मिलेगी। उन्होंने आयकर विभाग से छह प्रमुख अपेक्षाएं भी साझा कीं, जिनमें संवाद बढ़ाना, करदाताओं के समय का सम्मान करना, मुकदमेबाजी कम करना, युवाओं से जुड़ना, तकनीक के जरिए कर चोरी रोकना और नई प्रणाली को सरल बनाए रखना शामिल है।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आयकर विभाग की नई और आधुनिक वेबसाइट भी लॉन्च की और संसदीय समिति का आभार जताया, जिसकी सिफारिशों के आधार पर कानून को अंतिम रूप दिया गया।

युद्ध से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत तक, हर मिशन में अहम भूमिका निभाएगा 'तारागिरी'

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारत की समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय नौसेना 3 अप्रैल, 2026 को अपने नवीनतम स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी (F41)' को कमीशन करने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित होने वाला यह समारोह देश की स्वदेशी नौसैनिक ताकत के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक माना जा रहा है। प्रोजेक्ट 17A के तहत निर्मित यह चौथा उन्नत फ्रिगेट है, जो आधुनिक तकनीक, बेहतर डिजाइन और उच्च मारक क्षमता से लैस है। लगभग 6,670 टन वजनी 'तारागिरी' न केवल एक युद्धपोत है, बल्कि 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा का सशक्त उदाहरण भी है। इसे मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने तैयार किया है, जो देश के प्रमुख रक्षा शिपयार्ड में से एक है। तारागिरी अपने पूर्ववर्ती जहाजों की तुलना में अधिक उन्नत और आधुनिक है। इसका डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि इसका रडार क्रॉस-सेक्शन कम से कम हो, जिससे यह दुश्मन की नजरों से बचते हुए 'स्टील्थ मोड' में संचालन कर सके। यह विशेषता इसे समुद्र में और अधिक घातक और प्रभावी बनाती है। इस युद्धपोत की एक और खास बात यह है कि इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इसके निर्माण में 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का योगदान रहा है, जिससे देश में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है।तारागिरी में संयुक्त डीजल या गैस (CODOG) प्रणोदन प्रणाली का उपयोग किया गया है, जो इसे उच्च गति और लंबी दूरी तक संचालन करने की क्षमता प्रदान करती है। इसे बहुआयामी समुद्री अभियानों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, ताकि यह विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी भूमिका निभा सके। हथियारों की बात करें तो यह फ्रिगेट अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों से लैस है, जिनमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें और मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं।

भारतीय रिफाइनरियां तैयार, सरकार के निर्देशों का इंतजार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारतीय तेल रिफाइनरियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिकी प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दिए जाने के बाद भारत की रिफाइनरियां ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। यह कदम वैश्विक बाजार में बढ़ती तेल कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति को स्थिर करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियां फिलहाल सरकार के निर्देशों और अमेरिका की ओर से भुगतान शर्तों सहित अन्य प्रक्रियात्मक पहलुओं पर स्पष्टता का इंतजार कर रही हैं। हालांकि, संकेत मिल रहे हैं कि स्थिति स्पष्ट होते ही ईरानी तेल की खरीद को लेकर तेजी देखी जा सकती है। भारत की रिफाइनरियों के पास अन्य एशियाई देशों की तुलना में कच्चे तेल का सीमित भंडार है, जिससे उन्हें आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तेजी से निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।इस बीच, अमेरिकी प्रशासन ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने का फैसला किया है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इस फैसले के तहत लगभग 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अनुमति केवल पहले से परिवहन में मौजूद तेल के लिए है और इससे नए उत्पादन या नई खरीद को मंजूरी नहीं दी गई है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वैश्विक बाजार में आपूर्ति बढ़ेगी और कीमतों पर पड़ रहे दबाव में कुछ राहत मिल सकती है। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो हाल के दिनों में बढ़कर लगभग 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। ऐसे में अतिरिक्त आपूर्ति बाजार को स्थिर करने में अहम भूमिका निभा सकती है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, अन्य एशियाई रिफाइनरियां भी इस स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और यह आकलन कर रही हैं कि क्या वे भी ईरानी तेल की खरीद का लाभ उठा सकती हैं। अमेरिकी अधिकारियों का यह भी दावा है कि फिलहाल प्रतिबंधित ईरानी तेल को चीन कम कीमत पर खरीदकर स्टोर कर रहा है।कुल मिलाकर, यह अस्थायी राहत वैश्विक ऊर्जा बाजार में संतुलन बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे भारत सहित कई देशों को तेल आपूर्ति के मोर्चे पर राहत मिल सकती है।

संपादक की कलम से

पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्यता बन चुका है। तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डाला है। इसका परिणाम यह हुआ है कि जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता का ह्रास जैसी समस्याएँ गंभीर रूप ले चुकी हैं।आज दुनिया भर में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाएँ अब आम होती जा रही हैं। इसका सीधा असर कृषि, जल स्रोतों और मानव जीवन पर पड़ रहा है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन कठिन हो जाएगा।वायु प्रदूषण भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है, खासकर महानगरों में। वाहनों से निकलने वाला धुआं, उद्योगों से उत्सर्जित गैसें और निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल ने हवा को जहरीला बना दिया है। इसके कारण सांस से संबंधित बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। इसी तरह, नदियों और जल स्रोतों का प्रदूषण भी चिंता का विषय है, जिससे पीने के पानी की कमी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं।पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएँ और नीतियाँ बनाई गई हैं, जैसे वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना। लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक आम नागरिक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे, जैसे प्लास्टिक का कम उपयोग, पानी और बिजली की बचत, और अधिक से अधिक पेड़ लगाना। इसके अलावा, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान में जुड़ सकें।अंततः, यह समझना जरूरी है कि पर्यावरण और मानव जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यदि हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे, तो वही हमें सुरक्षित और स्वस्थ जीवन प्रदान करेगा। इसलिए, आज ही से हमें संकल्प लेना होगा कि हम अपने पर्यावरण की रक्षा करेंगे और एक स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।

पंजाब बना हरित ऊर्जा से

इस्पात उत्पादन शुरू करने वाला अग्रणी राज्य

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लुधियाना में टाटा स्टील के 3,200 करोड़ रुपये के हरित ईएएफ संयंत्र का उद्घाटन किया। 7.5 लाख टन क्षमता वाली यह इकाई कम कार्बन उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा और स्क्रैप आधारित उत्पादन के जरिए रोजगार और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को लुधियाना में टाटा स्टील के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) संयंत्र का उद्घाटन किया। लगभग 3,200 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह इकाई पूरी तरह इस्पात कबाड़ (स्क्रैप) पर आधारित है और इसे पर्यावरण के अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध करा रही है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 7.5 लाख टन है। यह इकाई आधुनिक तकनीकों से लैस है, जिससे प्रति टन इस्पात उत्पादन पर कार्बन उत्सर्जन 0.3 टन से भी कम रहेगा। यह पारंपरिक इस्पात संयंत्रों की तुलना में काफी कम है और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से इसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लुधियाना की हाई-टेक वैली में स्थापित यह संयंत्र हरित औद्योगिक विकास की दिशा में एक अहम पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर टाटा स्टील के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि यह परियोजना टाटा समूह की हरित और टिकाऊ औद्योगिक भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि कंपनी आने वाले वर्षों में भी पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में काम करती रहेगी। कार्यक्रम में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन भी उपस्थित रहे। टी वी नरेंद्रन ने अपने संबोधन में कहा कि यह संयंत्र वर्ष 2045 तक 'नेट जीरो' यानी शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि इस इकाई में लगभग 50 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त की जाएगी, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। यह पहल भारत में हरित ऊर्जा आधारित औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।इस संयंत्र की खासियत यह भी है कि इसमें कच्चे माल के रूप में 100 प्रतिशत इस्पात कबाड़ का उपयोग किया जाएगा। इसमें से लगभग 40 प्रतिशत स्क्रैप हरियाणा के रोहतक स्थित कंपनी के पुनर्चक्रण संयंत्र से आएगा। इस इकाई में 'टाटा टिस्कॉन' ब्रांड के सरियों का उत्पादन किया जाएगा, जिनका उपयोग निर्माण क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होता है। इससे बाजार में कंपनी की स्थिति और मजबूत होने की संभावना है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब हरित ऊर्जा के माध्यम से इस्पात उत्पादन शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस निवेश से न केवल औद्योगिक विकास को गति मिलेगी, बल्कि हजारों लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।इस दौरान मुख्यमंत्री ने दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा को याद करते हुए उन्हें देश का सच्चा सपूत बताया। उन्होंने कहा कि टाटा समूह अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण के कार्यों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। कार्यक्रम में पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

"देश में चुनाव नहीं, हेराफेरी का खेल चल रहा" – संजय राउत का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने शनिवार को देश की चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में चुनावों के दौरान सुनियोजित तरीके से हेराफेरी, दबाव और अन्य अनियमितताएं की जा रही हैं, जिससे लोकतंत्र की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।पत्रकारों से बातचीत में राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दावे को चुनौती दी, जिसमें वे वैश्विक मंचों पर भारत को मजबूत लोकतंत्र बताते हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से भारत में पर्यवेक्षक भेजने की मांग की, ताकि वे यहां के चुनावी माहौल का प्रत्यक्ष आकलन कर सकें। राउत ने कहा कि दुनिया को यह देखना चाहिए कि देश में चुनाव किस तरह कराए जा रहे हैं और किस प्रकार कथित तौर पर उनमें हस्तक्षेप किया जा रहा है। संजय राउत ने आरोप लगाया कि जब से नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र में सरकार आई है, तब से ग्राम पंचायत से लेकर लोकसभा तक किसी भी स्तर पर निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहले जहां बूथ कब्जाने जैसी घटनाएं होती थीं, वहीं अब कथित तौर पर नए तरीकों—जैसे धनबल, सत्ता का दुरुपयोग और मतदाता सूचियों में गड़बड़ी—का इस्तेमाल किया जा रहा है। संजय राउत ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह संस्था अब स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की स्थिति का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां "अघोषित राष्ट्रपति शासन" जैसी स्थिति है और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार होती, तो हालात और अधिक खराब हो सकते थे। संजय राउत के अनुसार, राज्य में बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए जा रहे हैं और ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी जा रही है, जिनकी निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं।हालांकि, राउत ने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी इन चुनौतियों का सामना कर रही है और आगे भी जनता का समर्थन उनके साथ बना रहेगा।

"जो डर गया वो मर गया"

ममता बनर्जी का मोदी सरकार को सीधा चैलेंज

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची में संशोधन के जरिए लोगों के "मताधिकार छीनने" का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, जिसके खिलाफ वह कोलकाता से लेकर दिल्ली तक और कलकत्ता उच्च न्यायालय से सर्वोच्च न्यायालय तक न्याय की लड़ाई लड़ चुकी हैं।कोलकाता के रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद आयोजित एक बड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी लोकतंत्र और लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए अंत तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा, "हम बंगाल में सभी जातियों, समुदायों और धर्मों के साथ खड़े हैं और किसी भी सूरत में लोगों के अधिकार छीने नहीं जाने देंगे।"ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर राज्य की निर्वाचित सरकार को अस्थिर करने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की कोशिश का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसी भी दबाव से डरने वाली नहीं है और हर चुनौती का डटकर सामना करेगी। अपने भाषण में उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उसे "चोरों और गुंडों की पार्टी" तक करार दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन, जिसे सत्तारूढ़ दल वैध प्रक्रिया बता रहा है, दरअसल चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। टीएमसी का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए खासकर अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में वैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि मतदाता सूची के सत्यापन या संशोधन के नाम पर यदि किसी भी नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित करने की कोशिश की गई, तो उनकी पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी। बनर्जी ने कहा कि बंगाल को बांटने और समाज में ध्रुवीकरण फैलाने की कोशिशें सफल नहीं होने दी जाएंगी। राज्य की सांप्रदायिक सद्भाव की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, "बंगाल एकता में विश्वास रखता है। यहां हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी मिलजुलकर

रहते हैं। हम किसी को भी इस सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने नहीं देंगे। "गौरतलब है कि रेड रोड पर आयोजित यह वार्षिक ईद का जमावड़ा पूर्वी भारत के सबसे बड़े आयोजनों में से एक माना जाता है और चुनावी वर्षों में यह अक्सर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक मंच के रूप में उभरता है, जहां से विभिन्न दल राज्य के बड़े मुस्लिम मतदाता वर्ग तक अपनी बात पहुंचाते हैं।

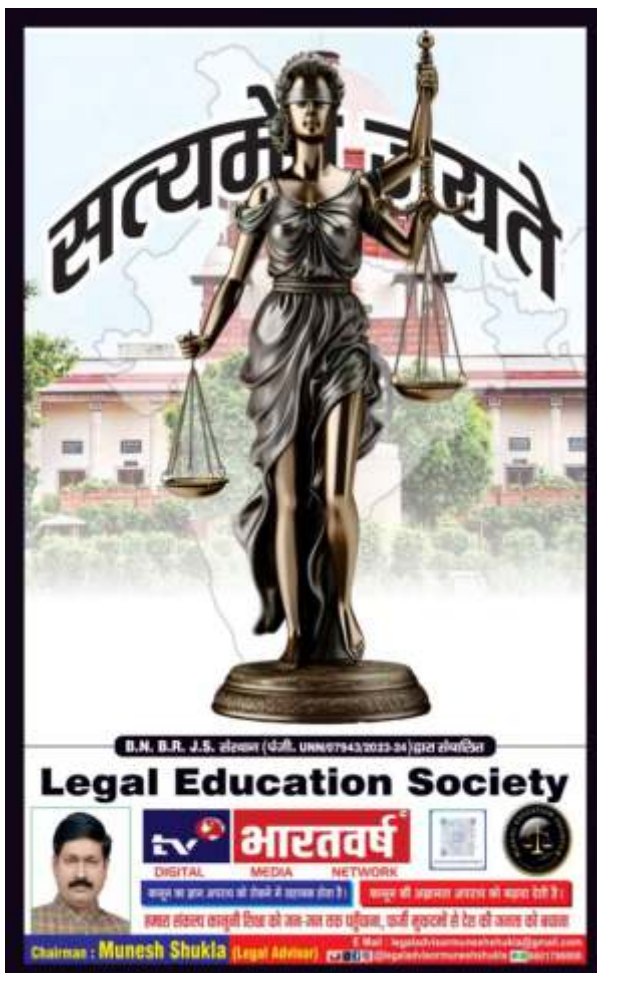

10 साल बाद बैंक का चौंकाने वाला नोटिस
बंद क्रेडिट कार्ड पर मांगे ₹33 लाख

कर्नाटक के मैसूर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति को अपना क्रेडिट कार्ड पूरी तरह बंद कराने के लगभग 10 साल बाद बैंक की ओर से 33.83 लाख रुपये का डिमांड नोटिस भेज दिया गया। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम ने न केवल ग्राहक को मानसिक रूप से परेशान किया, बल्कि उसे न्याय के लिए उपभोक्ता अदालत का सहारा लेना पड़ा। अंततः राज्य उपभोक्ता आयोग ने ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए बैंक को भारी हर्जाना देने का आदेश दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैसूर निवासी वेंकटेश ने 27 अगस्त 2010 को अपने क्रेडिट कार्ड को बंद करने के लिए बैंक को औपचारिक अनुरोध दिया था। उस समय उनके कार्ड पर 15,500 रुपये का बकाया था, जिसे उन्होंने तुरंत जमा कर दिया। भुगतान के बाद बैंक ने भी यह पुष्टि कर दी कि उनका खाता पूरी तरह बंद कर दिया गया है और किसी प्रकार का बकाया शेष नहीं है।मामला तब उलझ गया जब करीब एक दशक बाद, 25 दिसंबर 2020 को वेंकटेश को बैंक की ओर से एक कानूनी नोटिस प्राप्त हुआ। इस नोटिस में दावा किया गया कि उनके ऊपर 33.83 लाख रुपये का बकाया है। इसके बाद बैंक की ओर से उन्हें लगातार फोन कॉल, मैसेज और अन्य माध्यमों से भुगतान के लिए दबाव डाला जाने लगा। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब 15 जून 2022 को बैंक ने फिर से एक नोटिस जारी कर उसी राशि की मांग दोहराई।लगातार मिल रहे नोटिस और कथित उत्पीड़न से परेशान होकर वेंकटेश ने 18 जून 2022 को बैंक को लिखित जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि उन्होंने 10 वर्ष पहले ही अपना क्रेडिट कार्ड बंद कर दिया था और उसके बाद कोई भी लेन-देन नहीं किया गया। बावजूद इसके बैंक ने उनकी बात को नजरअंदाज किया और भुगतान के लिए दबाव बनाता रहा।आखिरकार वेंकटेश ने न्याय की तलाश में जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। वर्ष 2024 में फोरम ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए बैंक को एक लाख रुपये का हर्जाना देने का निर्देश दिया। साथ ही, इस राशि पर आदेश की तारीख से भुगतान तक 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज और 3,000 रुपये मुकदमे के खर्च के रूप में देने को कहा गया।हालांकि, वेंकटेश इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने कर्नाटक राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील दायर की। 12 फरवरी 2026 को राज्य आयोग ने इस मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। आयोग ने बैंक की कार्रवाई को 'अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस' यानी अनुचित व्यापार व्यवहार करार दिया।राज्य आयोग ने बैंक को आदेश दिया कि वह वेंकटेश को 5 लाख रुपये हर्जाने के रूप में अदा करे। इसके अलावा, 1 लाख रुपये वकील की फीस और 50,000 रुपये मुकदमे के खर्च के रूप में देने का भी निर्देश दिया गया। आयोग ने यह भी कहा कि यदि 30 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो बैंक को पूरी राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि जब कोई ग्राहक अपना पूरा बकाया चुकाकर खाता बंद कर चुका हो, तो वर्षों बाद उस पर भारी राशि का दावा करना न केवल अनुचित है, बल्कि इससे ग्राहक को मानसिक कष्ट और आर्थिक नुकसान भी होता है। साथ ही, इस तरह की कार्रवाई से ग्राहक का सिबिल स्कोर भी प्रभावित होता है, जो उसकी वित्तीय विश्वसनीयता पर नकारात्मक असर डालता है।यह मामला उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा और बैंकों की जवाबदेही तय करने के लिहाज से एक अहम उदाहरण के रूप में सामने आया है।

अनाहत और तन्वी सेमीफाइनल में, भारतीय खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह और गैर-वरीयता प्राप्त तन्वी खन्ना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने शुक्रवार को खेले गए अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में प्रभावशाली जीत दर्ज की।अनाहत सिंह ने मलेशिया की सहवीत्रा कुमार को एकतरफा मुकाबले में 3-0 (11-2, 11-6, 11-4) से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पूरे मैच के दौरान अनाहत ने आक्रामक खेल दिखाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। उनकी इस जीत ने उन्हें खिताब की प्रमुख दावेदारों में शामिल कर दिया है। वहीं, तन्वी खन्ना ने चौथी वरीयता प्राप्त आइना अमानी को 3-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। तन्वी ने संयम और सटीकता के साथ खेलते हुए मुकाबला अपने नाम किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी इस जीत को टूर्नामेंट के प्रमुख आकर्षणों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, भारत की अनुभवी खिलाड़ी जोशना चिनप्पा को निराशा का सामना करना पड़ा। वह क्वार्टरफाइनल में मिस्र की नादिएन एल हम्मामी से 1-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। इस हार के साथ ही उनका अभियान समाप्त हो गया। एक अन्य रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की हाना मोआताज़ ने मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त याश्मिता जादिशकुमार को कड़े मुकाबले में 3-2 (11-8, 8-11, 7-11, 11-7, 11-8) से हराया। यह मैच पांच गेम तक चला और अंत तक बेहद प्रतिस्पर्धी रहा।अब शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों के बीच ही मुकाबला देखने को मिलेगा, जहां अनाहत सिंह का सामना तन्वी खन्ना से होगा। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में हाना मोआताज़ का मुकाबला नादिएन एल हम्मामी से होगा।

रियान पराग की सलाह
युवा वैभव को सोशल मीडिया से दूर रहने की सख्त हिदायत

पुजारा ने गिल को दी आक्रामक खेलने की सलाह

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल को लेकर अहम बयान दिया है। उनका मानना है कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर होना गिल के लिए झटका जरूर है, लेकिन यही बात उन्हें आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर सकती है। जियोहॉटस्टार पर बातचीत के दौरान पुजारा ने गिल को तीनों फॉर्मेट का बेहतरीन खिलाड़ी बताया। उन्होंने कहा कि अगर गिल आईपीएल 2026 में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी भारतीय टी20 टीम में वापसी तय हो सकती है। पुजारा के अनुसार, "गिल एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और वह टेस्ट व वनडे में अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। अब उनके पास टी20 में खुद को साबित करने का बड़ा मौका है। "उन्होंने यह भी कहा कि टी20 टीम से बाहर होने के कारण गिल पर दबाव रहेगा, लेकिन यह दबाव उनके खेल को और निखार सकता है। पुजारा ने गिल को सलाह दी कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी की गति बढ़ानी होगी और 150 से 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाने पर ध्यान देना होगा। गुजरात टाइटन्स की संभावनाओं पर बात करते हुए पुजारा ने टीम को इस सीजन का मजबूत दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि टीम का टॉप ऑर्डर, जिसमें शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर शामिल हैं, काफी मजबूत और निरंतर प्रदर्शन करने वाला है। इसके अलावा, उन्होंने जेसन होल्डर जैसे ऑलराउंडरों की भूमिका को भी अहम बताया, जो टीम को संतुलन देते हैं। पुजारा के मुताबिक, अगर जीटी के खिलाड़ी इसी तरह प्रदर्शन करते रहे, तो टीम आईपीएल 2026 में खिताब जीतने की प्रबल दावेदार बन सकती है।

हसरंगा, पथिराना समेत कई स्टार खिलाड़ियों को अभी करना होगा इंतजार
बोर्ड ने खिलाड़ियों की सेहत को दी प्राथमिकता

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने शुक्रवार को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लिए अपने कुछ प्रमुख खिलाड़ियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी कर दिया है। यह निर्णय खिलाड़ियों के फिटनेस परीक्षण में सफल होने के बाद लिया गया। तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा, सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका और ऑलराउंडर कामिंदु मेंडिस को आईपीएल में भाग लेने की अनुमति मिल गई है। चमीरा और निसंका आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं, जबकि कामिंदु मेंडिस को सनराइजर्स हैदराबाद ने अपनी टीम में बरकरार रखा है। इन तीनों खिलाड़ियों के फिट घोषित होने के बाद उन्हें एनओसी जारी कर दी गई, जिससे अब वे टूर्नामेंट में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेल सकेंगे। हालांकि, श्रीलंका के कुछ अन्य प्रमुख खिलाड़ियों को अभी एनओसी के लिए इंतजार करना पड़ेगा। इनमें तेज गेंदबाज नुवान तुषारा, ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा, ईशान मलिंगा और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना शामिल हैं। ये खिलाड़ी क्रमशः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, लखनऊ सुपर जाइंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने स्पष्ट किया है कि इन खिलाड़ियों को एनओसी तभी जारी की जाएगी, जब वे अपने फिटनेस परीक्षण में सफल हो जाएंगे। फिलहाल ये सभी खिलाड़ी रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और पूरी तरह फिट होने के बाद ही उनका परीक्षण किया जाएगा। एसएलसी द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वानिंदु हसरंगा, ईशान मलिंगा और मथीशा पथिराना ने आईपीएल 2026 में भाग लेने के लिए एनओसी का अनुरोध किया है, लेकिन उनकी फिटनेस जांच अभी बाकी है। ऐसे में बोर्ड कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता और खिलाड़ियों की पूरी फिटनेस सुनिश्चित करने के बाद ही उन्हें अनुमति देगा। यह फैसला खिलाड़ियों की फिटनेस और दीर्घकालिक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि वे न केवल आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर सकें, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी श्रीलंका टीम के लिए पूरी क्षमता के साथ उपलब्ध रहें।कुल मिलाकर, जहां कुछ खिलाड़ियों के लिए आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है, वहीं अन्य खिलाड़ियों को अभी अपनी फिटनेस साबित करनी होगी।

BCCI ने जारी किया शेड्यूल,
दो मैचों की टी-20 सीरीज में दिखेगी फुल स्ट्रेंथ टीम

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने शनिवार को जून 2026 में होने वाले आयरलैंड दौरे का आधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया। इस दौरे पर भारतीय टीम अपनी पूर्ण ताकत के साथ उतरेगी, जहां भारत और आयरलैंड के बीच दो मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी। यह सीरीज भारत के लिए टी-20 विश्व कप जीत के बाद पहली टी-20 सीरीज होगी, जिससे इसकी अहमियत और बढ़ जाती है।गौरतलब है कि भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी-20 विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। अब टीम इंडिया इस जीत की लय को बरकरार रखते हुए आयरलैंड के खिलाफ उतरने की तैयारी में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और आयरलैंड के बीच टी-20 मुकाबलों में भारतीय टीम का दबदबा रहा है। भारत ने 2018, 2022 और 2023 में तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है और हर बार सीरीज अपने नाम की है। 2018 और 2022 में भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था, जबकि 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी टीम इंडिया ने 2-0 से जीत दर्ज की थी, जिसमें एक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। ये सभी सीरीज आयरलैंड की धरती पर खेली गई थीं। आयरलैंड के लिए भी यह साल काफी व्यस्त रहने वाला है। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है, वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मैचों की सीरीज भी खेलनी है। ऐसे में भारतीय टीम का दौरा आयरलैंड के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है।आईपीएल 2026 के बाद भारतीय टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है। आयरलैंड दौरे से पहले टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ भी सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे, जिनका आयोजन भारत में होगा। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा। इसके अलावा भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड का भी दौरा करेगी। इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच कुल आठ सीमित ओवरों के मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें पांच टी-20 और तीन वनडे मैच शामिल हैं। कुल मिलाकर, 2026 का क्रिकेट कैलेंडर भारतीय टीम के लिए बेहद व्यस्त रहने वाला है, जहां उसे लगातार अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अपनी श्रेष्ठता साबित करनी होगी।

ईरान की लड़की पर आया इजरायली सैनिक का दिल, कर ली सगाई

जंग के बीच मोहब्बत का बीज

ईरान और इजरायल अभी जंग में हैं. दोनों एक दूसरे पर जबरदस्त बमबारी कर रहे हैं. इनकी दुश्मनी नई नहीं है और अब तो मामला आर-पार की लड़ाई तक पहुंच गया है.

इजरायल के सैनिक को ईरान की लड़की से हुआ प्यार (Photo - Pixabay)

कहते हैं प्यार और जंग में सब जायज है... एक तरफ ईरान और इजरायल युद्ध में उलझे हुए हैं और अपने दुश्मनों को धूल चटाने के लिए हर वो तरीका अपना रहे हैं, जिससे दूसरे तरफ ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो. इसके लिए दोनों ही देश एक दूसरे को नफरत भरी निगाहों से देख रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ प्यार में पड़ा एक इजरायली सैनिक जंग के माहौल को अनदेखा कर और उसके अपने लोग क्या कहेंगे इसकी परवाह किए बिना, ईरान की रहने वाली अपनी प्रेमिका से सगाई कर बैठा. क्योंकि, उनके लिए जंग से ज्यादा उनका प्यार मायने रखता है. कभी-कभी प्यार ऐसी जगह और ऐसे पल में पनपता है, जिस बारे में प्यार करने वालों ने कभी सोचा नही सकते. इजरायल के गोलानी ब्रिगेड के एक रिजर्व लड़ाकू सैनिक ने भी कभी कल्पना नहीं की थी कि लॉस एंजिल्स के सांता मोनिका के एक बार में उसकी मुलाकात एक ऐसी महिला से होगी, उसके जीवन का प्यार बन जाएगी और जिसका घर ईरान जैसे देश में होगा, जिससे उनकी कट्टर दुश्मनी है. इजरायली रिजर्व लड़ाकू सैनिक डीन की मुलाकात ईरान की अजादेह से लॉस एंजिल्स एक बार में हुई थी. इसके बाद बातों का जो सिलसिला शुरू हुआ वो एक दूसरे के साथ जीने-मरने के वादे और कसमों पर आकर ही रुका. दुश्मन देशों और अलग-अलग धर्मों से होने के बावजूद, यह जोड़ा अब सगाई कर चुका है और एक दिन साथ में तेल अवीव और तेहरान घूमने की उम्मीद करता है. डीन ने याद करते हुए वाईनेट न्यूज को बताया कि हम 2019 में लॉस एंजिल्स के एक बार में मिले थे. हमने बातचीत की और एक-दूसरे के कॉन्टेक्ट में आए, लेकिन हम ज्यादा संपर्क में नहीं रहे. कोविड काल के दौरान ही हमने दोबारा बात करना शुरू की. एक बार डीन इजरायल गए हुए थे. उन्होंने तेल अवीव के लेविंस्की मार्केट में एक फारसी रेस्तरां से एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की. अजादेह ने इंस्टाग्राम पर मेरी फोटो देखी और लिखा - वाह, यह बहुत सुंदर लग रहा है. ⊙

गार्लिक ब्रेड में निकली मक्खी

अहमदाबाद के पॉश इलाके सिंधुभवन रोड स्थित एक चर्चित कैफे में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कस्टमर को सर्व की गई गार्लिक ब्रेड में मरी हुई मक्खी मिली. यह मामला सामने आते ही न सिर्फ कैफे में मौजूद लोग हैरान रह गए, बल्कि सोशल मीडिया पर भी इस घटना ने तेजी से तूल पकड़ लिया. कस्टमर की शिकायत के बाद नगर निगम ने रेस्टोरेंट पर 50 हजार का जुर्माना लगाया है. अहमदाबाद के सिंधुभवन रोड पर स्थित रेस्टोरेंट में पहुंचे एक ग्राहक ने गार्लिक ब्रेड ऑर्डर की. ⊙

गले में फंसी चॉपस्टिक, 8 साल तक नहीं कराई सर्जरी

चीन में एक व्यक्ति के गले में आठ साल से 12 सेंटीमीटर लंबी मेटल की चॉपस्टिक फंसी हुई थी. हाल ही में उसकी सर्जरी की गई और चॉपस्टिक को निकाला गया. इतने साल तक सिर्फ डर की वजह से वो शख्स सर्जरी कराने नहीं जा रहा था. क्योंकि, उसे लगता था कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर को उसकी गर्दन काटनी पड़ सकती है और इधर उधर कुछ भी होने से उसकी जान चली जाएगी. साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, वांग नाम के शख्स की सर्जरी मार्च के शुरुआत में हुई. पूर्वोत्तर लियाओनिंग प्रांत के डालियान नगर केंद्रीय अस्पताल में उसे भर्ती किया गया था. डेक्सियांग न्यूज के अनुसार, आठ साल पहले, वांग ने खाना खाते

और शराब पीते समय गलती से चॉपस्टिक निगल ली थी. उस समय उन्हें दर्द महसूस हो रहा था लेकिन सांस लेने में कोई समस्या नहीं थी. जब वांग अस्पताल में चेकअप के लिए गए, तो डॉक्टरों ने उनकी गर्दन के एक तरफ चीरा लगाकर चॉपस्टिक निकालने का सुझाव दिया. ⊙

वीडियो देखकर चकराया नेटिजन्स का सिर

कीचड़ भरे तालाब में प्री-वेडिंग शूट

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक प्री-वेडिंग फोटोशूट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देख कर लोग काफी हैरान हो रहे हैं. आमतौर पर प्री-वेडिंग शूट में खूबसूरत लोकेशन, रोमांटिक माहौल और सुकून भरे पल दिखाए जाते हैं, लेकिन इस कपल ने कुछ अलग करने के चक्कर में ऐसा कदम उठा लिया, जो अब चर्चा का विषय बन गया है. आजकल शादी से पहले प्री-वेडिंग शूट का अलग ही ट्रेंड देखने को मिल रहा है. पहले जहां शादी की रस्मों और परिवार के साथ बिताए पलों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, वहीं अब कपल्स अपनी लव स्टोरी को खास तरीके से दिखाने के लिए अलग-अलग लोकेशन और थीम चुन रहे हैं. कोई पहाड़ों में शूट कराता है, तो कोई बीच या विदेशी

इस वीडियो के वायरल होने के बाद एक बड़ी बहस भी शुरू हो गई है.

जगहों पर जाता है. सोशल मीडिया के बढ़ते असर के कारण यह ट्रेंड और भी तेजी से बढ़ा है. लोग चाहते हैं कि उनका फोटोशूट सबसे अलग और यूनिक हो, ताकि वह वायरल हो सके और लोगों का ध्यान खींचे. इसी वजह से कई बार कपल्स कुछ ज्यादा ही एक्सपेरिमेंट कर लेते हैं, जो लोगों को अजीब या मजाकिया भी लग सकता है. दरअसल, इस कपल ने अपने प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए एक गंदे और कीचड़ भरे तालाब को चुना. वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों पानी में उतरकर अलग-अलग पोज दे रहे हैं, जबकि फोटोग्राफर पास में खड़े होकर उन्हें 'सिनेमैटिक' अंदाज में पोज देने के निर्देश दे रहा है. ⊙

BTS कमबैक पर बड़ा संकट

रिहर्सल में घायल हुए RM, 'ARIRANG' लाइव में डांस करना मुश्किल

विश्व प्रसिद्ध के-पॉप ग्रुप BTS के करोड़ों प्रशंसकों (ARMY) के लिए एक चिंताजनक खबर सामने आई है। लगभग चार साल के लंबे इंतजार के बाद होने वाले बहुप्रतीक्षित कमबैक इवेंट 'BTS THE COMEBACK LIVE | ARIRANG' से ठीक एक दिन पहले, ग्रुप के लीडर RM (किम नामजून) रिहर्सल के दौरान घायल हो गए हैं। इस घटना की आधिकारिक पुष्टि उनकी एजेंसी BIGHIT MUSIC ने 20 मार्च को एक बयान जारी कर की। एजेंसी के मुताबिक, RM को रिहर्सल के दौरान टखने में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी विस्तृत मेडिकल जांच कराई गई, जिसमें सामने आया कि उन्हें एक्सेसरी नेविकुलर में मोच, लिगामेंट में आंशिक क्षति और टैलस कंट्यूजन (टखने की हड्डी में चोट) हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, इस प्रकार की चोट में लिगामेंट को नुकसान पहुंचता है और प्रभावित हिस्से में सूजन तथा दर्द बना रहता है, जिससे सामान्य गतिविधियों में भी कठिनाई हो सकती है। डॉक्टरों ने RM को पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। उन्हें कम से कम दो हफ्तों तक प्लास्टर पहनने और अपनी शारीरिक गतिविधियों को सीमित रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि चोट और अधिक गंभीर न हो। हालांकि, इस स्थिति के बावजूद RM ने कमबैक इवेंट में शामिल होने और स्टेज पर उपस्थित रहने की अपनी प्रबल इच्छा जाहिर की है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि उनके प्रदर्शन से जुड़ा अंतिम निर्णय मेडिकल विशेषज्ञों से परामर्श के बाद ही लिया गया। BIGHIT MUSIC ने यह भी बताया कि RM की कोरियोग्राफी और स्टेज मूवमेंट को "आंशिक रूप से सीमित" रखा जाएगा। इसका अर्थ यह है कि वह इवेंट के दौरान मंच पर मौजूद रहेंगे और अपने प्रशंसकों से संवाद करेंगे, लेकिन वह पूरी तरह से डांस या शारीरिक रूप से सक्रिय प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे। एजेंसी ने फैंस को आश्वस्त किया है कि RM की सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जैसे ही यह खबर सार्वजनिक हुई, दुनियाभर के BTS फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त की और RM के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। ARMY के लिए यह कमबैक पहले से ही बेहद खास था, क्योंकि BTS लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद एक साथ मंच पर वापसी कर रहा है। ऐसे में RM की चोट ने इस उत्साह के बीच थोड़ी चिंता जरूर बढ़ा दी है। गौरतलब है कि BTS ने अपना पांचवां स्टूडियो एल्बम 'ARIRANG' 20 मार्च को रिलीज किया है। यह एल्बम ग्रुप की लंबे समय बाद वापसी का प्रतीक माना जा रहा है और इसे लेकर दुनियाभर में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसके अगले ही दिन, 21 मार्च को 'BTS THE COMEBACK LIVE | ARIRANG' इवेंट का आयोजन किया जाना है, जिसका वैश्विक स्तर पर लाइव प्रसारण होगा।यह इवेंट न केवल BTS के लिए, बल्कि उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ऐतिहासिक पल माना जा रहा है। लंबे समय से फैंस इस क्षण का इंतजार कर रहे थे, जब उनका पसंदीदा ग्रुप फिर से एक साथ मंच पर नजर आएगा। RM की चोट के बावजूद एजेंसी ने भरोसा दिलाया है कि यह शो पूरी तरह भावनात्मक, भव्य और यादगार होगा। इस बीच,

ग्रुप के अन्य सदस्य अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। BIGHIT MUSIC ने कहा है कि यह कमबैक इवेंट BTS और उनके फैंस के बीच के गहरे रिश्ते को और मजबूत करेगा।कुल मिलाकर, RM की चोट ने जहां एक ओर फैंस की चिंता बढ़ाई है, वहीं दूसरी ओर उनकी प्रतिबद्धता और स्टेज पर लौटने की इच्छा ने प्रशंसकों के दिलों में उनके प्रति सम्मान और भी बढ़ा दिया है। अब सभी की नजरें इस ऐतिहासिक कमबैक इवेंट पर टिकी हैं, जो BTS की वापसी को एक नए अध्याय की शुरुआत के रूप में दर्ज करेगा।

सीएम योगी का बड़ा दावा

9 साल में 242 करोड़ पौधे लगाकर यूपी ने रचा हरियाली का इतिहास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 9 वर्षों में 242 करोड़ पौधे लगाए गए और रामसर साइट्स की संख्या 1 से बढ़कर 11 हो गई। वन संरक्षण को जन आंदोलन बनाया गया है, जिससे पर्यावरण, रोजगार और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में पिछले 9 वर्षों के दौरान 242 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए हैं और प्रदेश में वन क्षेत्र का विस्तार जनसंख्या के अनुपात में करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में जहां राज्य में केवल एक रामसर साइट (वेटलैंड) थी, वहीं अब इसकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है। मुख्यमंत्री शनिवार को वन दिवस के अवसर पर लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'अरण्य समागम : राष्ट्रीय वानिकी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए उन्होंने प्रकृति संरक्षण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में माना गया है। "माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्या" का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मानव को प्रकृति के सम्मान, सुरक्षा और संरक्षण के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ के दुष्परिणाम आज पूरी दुनिया झेल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में मौसम चक्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं मानवता के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के बराबर बताया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाता है।उन्होंने बताया कि पहले वन महोत्सव के दौरान राज्य में लगभग साढ़े 5 करोड़ पौधे ही लगाए जा सके थे, क्योंकि पर्याप्त नर्सरी उपलब्ध नहीं थीं। लेकिन पिछले वर्ष वन महोत्सव के दौरान एक ही दिन में 37 करोड़ पौधारोपण कर रिकॉर्ड बनाया गया। इसके लिए राज्य में पर्याप्त संख्या में नर्सरी विकसित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए आवश्यक नर्सरी तैयार की जा चुकी हैं।उन्होंने यह भी बताया कि रामसर साइट्स की संख्या में वृद्धि से पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण और जल संरक्षण को बढ़ावा मिला है। भविष्य में इनकी संख्या और बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यशाला का मुख्य विषय "वन एवं अर्थव्यवस्थाएं" रखा गया था, जिसमें वानिकी क्षेत्र में नवाचार, डिजिटलीकरण, वन प्रबंधन के आधुनिकीकरण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के उपायों पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कैंपा फंड के प्रभावी उपयोग और वन्यजीव संरक्षण पर भी अपने सुझाव दिए। वन केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि रोजगार और अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश में वन आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के चलते पिछले 9 वर्षों में 2467 से अधिक उद्योग स्थापित किए गए हैं। प्रदेश में वृक्षारोपण को जन आंदोलन का रूप दिया गया है। नदियों के किनारों, एक्सप्रेस-वे और राजमार्गों के आसपास बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है। साथ ही अटल वन, एकलव्य वन, ऑक्सी वन और शौर्य वन जैसे विशेष वन विकसित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को वृक्षारोपण से जोड़ने के लिए कार्बन फाइनेंस परियोजना लागू की गई है, जिसके तहत कार्बन क्रेडिट के बदले आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस पहल को लागू करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है।

महंगे सीमेंट-सरिया के बीच नया झटका, अब मकान बनाना और मुश्किल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में मकान बनाने की योजना बना रहे लोगों के लिए एक और झटका सामने आया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने नक्शा पास कराने के शुल्क में करीब 3.58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद नई दरें आगामी 1 अप्रैल से लागू हो जाएंगी। एलडीए के इस निर्णय का सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा, जो नया मकान बनवाने या व्यावसायिक निर्माण कराने की योजना बना रहे हैं। अब उन्हें पहले की तुलना में अधिक शुल्क चुकाना होगा। जानकारी के अनुसार, विकास शुल्क, निरीक्षण शुल्क और अनुज्ञा शुल्क में भी वृद्धि की गई है, जिससे कुल निर्माण लागत में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है।प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि यह बढ़ोतरी लागत सूचकांक (कॉस्ट इंडेक्स) में वृद्धि के चलते की गई है। बढ़ती लागत के बीच विकास कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने के उद्देश्य से शुल्कों में संशोधन जरूरी हो गया था। अधिकारियों के मुताबिक, इस कदम से प्राधिकरण को परियोजनाओं के लिए वित्तीय मजबूती मिलेगी और विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी।हालांकि, इस फैसले से आम लोगों, खासकर मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की संभावना है। पहले से ही निर्माण सामग्री जैसे सीमेंट, सरिया और अन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, ऐसे में नक्शा पास कराने के शुल्क में वृद्धि ने घर बनाना और महंगा कर दिया है। एलडीए का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब पहले ही महंगाई के चलते लोगों के लिए घर बनाना एक चुनौती बना हुआ है। अब बढ़े हुए शुल्क के साथ निर्माण कार्य शुरू करना और भी कठिन हो सकता है।

3 मार्च से बंद गैस सप्लाई, अब कोयले की भट्ठियों पर चल रहा किचन

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित ट्रेन के डिब्बे में बने अनोखे रेस्टोरेंट पर इन दिनों गैस सिलेंडर की किल्लत का गंभीर असर देखने को मिल रहा है। बीते 3 मार्च से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने के कारण यहां के किचन के अधिकांश चूल्हे बंद पड़े हैं और रेस्टोरेंट सीमित संसाधनों के साथ संचालित हो रहा है।रेस्टोरेंट के मैनेजर विमलेश के अनुसार, गैस सप्लाई ठप होने के चलते अब केवल कोयले की भट्ठियों और तंदूर पर ही खाना तैयार किया जा रहा है। इससे मेन्यू के अधिकांश व्यंजन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप, ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है और रेस्टोरेंट को प्रतिदिन करीब 20 हजार रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संकट का सीधा असर यहां कार्यरत कर्मचारियों पर भी पड़ा है। मुख्य शेफ विजय कश्यप ने बताया कि पहले रेस्टोरेंट में 14 कर्मचारी काम करते थे, लेकिन काम ठप होने के कारण आधे स्टाफ को छुट्टी पर भेजना पड़ा और अब केवल 7 कर्मचारी ही कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से सही तरीके से भोजन तैयार नहीं हो पा रहा है, जिससे रेस्टोरेंट की कार्यप्रणाली बुरी तरह प्रभावित हुई है। गौरतलब है कि यह रेस्टोरेंट अपनी अनूठी संरचना और स्वादिष्ट व्यंजनों के कारण यात्रियों और स्थानीय लोगों के बीच काफी लोकप्रिय था। विशेषकर रात के समय यहां ग्राहकों की भीड़ लगी रहती थी, लेकिन अब सीमित विकल्पों के चलते ग्राहक निराश होकर लौट रहे हैं। मैनेजर विमलेश ने बताया कि गैस की कमी ने रेस्टोरेंट की

आर्थिक स्थिति को डगमगा दिया है। रोजाना नुकसान हो रहा है, जबकि अन्य खर्चे यथावत बने हुए हैं। ऐसे में प्रबंधन के सामने यह चुनौती खड़ी हो गई है कि आखिर कब तक इस स्थिति का सामना किया जा सकेगा। शेफ विजय कश्यप ने यह भी बताया कि इस संकट का असर केवल रेस्टोरेंट तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े कई परिवारों की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति बहाल नहीं हुई, तो रेस्टोरेंट को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ सकता है, जिससे कर्मचारियों के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा।

बादलों की चादर और हल्की धूप मौसम हुआ खुशनुमा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में बीते 24 घंटों के दौरान रुक-रुक कर हुई बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है। शुक्रवार दिन और रात में हुई बारिश के बाद शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं, जबकि बीच-बीच में हल्की धूप भी निकल रही है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले दो दिनों में तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। केवल 24 घंटे के भीतर अधिकतम तापमान में 10.3 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है, जबकि 19 मार्च को दर्ज 35.9 डिग्री के मुकाबले शुक्रवार को तापमान 12.4 डिग्री कम होकर 23.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। यह सामान्य से 10.3 डिग्री कम है, जो इस मौसम के लिए असामान्य माना जा रहा है। शनिवार के लिए मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि दिनभर आसमान में बादल छाए रहेंगे, जिससे मौसम खुशनुमा बना रहेगा। आज अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच केवल तीन डिग्री का अंतर दर्ज किया गया, जो असामान्य स्थिति को दर्शाता है।न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक है। वहीं, अधिकतम आर्द्रता 87 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 63 प्रतिशत रही। शहर के विभिन्न हिस्सों में लगभग 18 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, उत्तर भारत में पश्चिमी दिशा से आने वाली हवाओं के कारण एक मौसमीय सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसका प्रभाव पाकिस्तान से लेकर पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश तक देखा जा रहा है। इसके अलावा, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के आसपास निचले स्तर पर दो छोटे चक्रवाती सिस्टम भी बन रहे हैं, जिससे बादल और बारिश की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने 21 मार्च तक प्रदेश में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इसके चलते अधिकतम तापमान में 7 से 9 डिग्री तक और गिरावट आ सकती है। इसके बाद तापमान में धीरे-धीरे 5 से 7 डिग्री की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। 20 से 26 मार्च तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना बनी हुई है, जबकि 27 मार्च से 2 अप्रैल के बीच हल्की से मध्यम बारिश के आसार जताए गए हैं। मौसम में इस बदलाव से लोगों को फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

लखनऊ में युवक को होटल बुलाकर बनाया अश्लील वीडियो, 35 हजार की लूट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एक युवक के साथ धोखाधड़ी, मारपीट और लूटपाट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक को होटल में मिलने के बहाने बुलाकर उसके अश्लील वीडियो बनाए गए और विरोध करने पर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। इसके बाद आरोपियों ने उससे कुल 35 हजार रुपये भी लूट लिए। इस घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।पीड़ित युवक, जो बीकेटी क्षेत्र का निवासी है, ने होटल संचालक समेत चार लोगों पर आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, युवक की पहचान सोशल मीडिया ऐप Grindr (ग्राइंडर) के माध्यम से अलीगंज निवासी अभिषेक वर्मा से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत के बाद दोस्ती हो गई थी। पीड़ित के मुताबिक, जैसे ही वह होटल के कमरे में पहुंचा, अभिषेक ने अपने तीन साथियों—राजन कश्यप, रिशु कश्यप और शिवम सिंह—को भी वहां बुला लिया। आरोप है कि चारों ने मिलकर युवक के साथ गाली-गलौज की और जबरन उसके कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल से 10 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। साथ ही उसके डेबिट कार्ड का इस्तेमाल कर 25 हजार रुपये और निकाल लिए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर आरोपियों ने उसे गिराकर लात-घूंसों से पीटा और बाद में होटल से भगा दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

IPL 2026 से पहले LSG की आध्यात्मिक शुरुआत, जीत के लिए मांगी दुआ

आईपीएल सत्र की शुरुआत से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाड़ी और टीम प्रबंधन अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। शनिवार को टीम के खिलाड़ियों ने रामलला के दरबार में मत्था टेककर आगामी सीजन के लिए सफलता और बेहतर प्रदर्शन की कामना की।इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका और कप्तान ऋषभ पंत भी खिलाड़ियों के साथ मौजूद रहे। सभी ने मंदिर परिसर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और भगवान श्रीराम के दर्शन किए। खिलाड़ियों ने इस आध्यात्मिक यात्रा को अपने लिए विशेष और प्रेरणादायक अनुभव बताया। टीम के साथ तेज गेंदबाज मयंक यादव, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी, प्रिंस यादव, मुकुल चौधरी भी अयोध्या पहुंचे। इसके अलावा टीम के फील्डिंग कोच भरत अरुण, हेड कोच जस्टिन लैंगर और टीम के निदेशक टॉम मूडी भी इस दौरे का हिस्सा रहे। सभी ने एक साथ मंदिर में पूजा कर टीम की सफलता के लिए प्रार्थना की। खिलाड़ियों ने कहा कि नए आईपीएल सत्र की शुरुआत से

पहले मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि भगवान का आशीर्वाद टीम को आगामी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। इस दौरान खिलाड़ियों ने मंदिर की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण की सराहना भी की।गौरतलब है कि आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ी अक्सर मानसिक रूप से खुद को तैयार करने के लिए आध्यात्मिक स्थलों का रुख करते हैं। अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन कर खिलाड़ियों ने न केवल आस्था प्रकट की, बल्कि टीम भावना को भी मजबूत करने का प्रयास किया।इस यात्रा के दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और खिलाड़ियों के दर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। टीम अब आगामी आईपीएल मुकाबलों की तैयारियों में जुटेगी, जहां वह बेहतर प्रदर्शन कर अपने प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेगी।

प्रशासन रहा मुस्तैद, डीएम-एसपी ने दी ईद की शुभकामनाएं

पूरे शहर में गूंजा एक ही संदेश—मोहब्बत, एकता और भाईचारा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव शहर और शुक्लागंज नगर में ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। पवित्र रमजान माह के 30 रोजे पूरे होने के बाद शुक्रवार सुबह से ही मुस्लिम समुदाय में खासा उत्साह देखने को मिला। राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद सहित नगर की विभिन्न मस्जिदों में हजारों नमाजियों ने ईद की नमाज अदा की और देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं। सुबह होते ही लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिदों की ओर रवाना होने लगे। बच्चों में ईद को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। मुस्लिम बहुल इलाकों में बच्चे नए परिधानों में सजे-धजे नजर आए और एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। शहर की प्रमुख मस्जिदों जैसे गोताखोर कॉलोनी, चंपापुरवा, हुसैन नगर, करबला, रहमत नगर, अहमद नगर और अली नगर में भारी भीड़ उमड़ी। राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद में सबसे अधिक संख्या में नमाजी पहुंचे, जहां ईद की नमाज सुबह ठीक 7:30 बजे अदा की गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। जामा मस्जिद के मुतवल्ली हाजी अय्यूब साहब ने बताया कि रमजान के पूरे महीने रोजे रखने के बाद ईद का त्योहार खुशियों का संदेश लेकर आता है। उन्होंने कहा कि ईद आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है, जिसे पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर फौजान, शकील, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद सईद, मोहम्मद हंजला, शाकिर अली, जमाल खान, मोहम्मद शमी, मोहम्मद रईस, मोहम्मद आफताब और मोहम्मद नाजिम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।ईद के मद्देनजर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी प्रमुख मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा और ड्रोन के जरिए निगरानी भी की गई। राजधानी मार्ग स्थित जामा मस्जिद में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस दौरान जिलाधिकारी गौरंग राठी, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, एसडीएम क्षितिज द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, क्षेत्राधिकारी (सीओ), एसएचओ गंगाघाट अजय सिंह समेत पुलिस बल और पीएसी के जवान मुस्तैद रहे।त्योहार के मौके पर पूरे दिन लोगों के घरों में मेहमानों का आना-जाना लगा रहा। ईद के पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू से माहौल महक उठा। लोगों ने चासनी में डूबी सेवइयां, सूतफेनी, दूध और मेवा से बनी खास सेवइयां, दही बड़े, फुलकियां, मसालेदार चने और स्वादिष्ट बिरयानी का जमकर लुत्फ उठाया। मेहमाननवाजी और स्वादिष्ट पकवानों के साथ ईद का यह पर्व पूरे शहर में उल्लास और भाईचारे का संदेश देता नजर आया।

दर्शन को निकले थे, मौत ने रास्ते में घेरा—250 मीटर गहरी खाई में गिरा वाहन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उत्तराखंड के नैनीताल जनपद में शनिवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में उन्नाव के दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन गहरे सदमे में आ गए और तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उन्नाव जनपद से चार युवक धार्मिक यात्रा पर कैंची धाम और जागेश्वर धाम के दर्शन के लिए निकले थे। शनिवार को उनका वाहन ज्योलीकोट-भवाली रोड पर खूपी के पास अनियंत्रित हो गया और लगभग 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। वाहन के खाई में गिरते ही आसपास मौजूद राहगीरों ने तत्काल पुलिस और स्थानीय प्रशासन को सूचना दी।इस दर्दनाक हादसे में उन्नाव के पीतांबर नगर निवासी अंकित चौधरी (30) और अभिराज (28) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को खाई से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।वहीं, हादसे में घायल अतुल दुबे (26), पुत्र सुनील कुमार, और श्याम (30), पुत्र राम सुमेर, निवासी पीतांबर नगर, उन्नाव को स्थानीय लोगों और रेस्क्यू टीम ने रस्सियों की सहायता से खाई से बाहर निकाला। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हल्द्वानी के हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

बीघापुर में अवैध खनन के खिलाफ किसानों का मोर्चा, कार्रवाई न होने पर अनशन की चेतावनी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के बीघापुर तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। भारतीय किसान यूनियन बैसवारा गुट के प्रदेश अध्यक्ष पवन शुक्ला के नेतृत्व में सोमवार को दर्जनों किसान तहसील मुख्यालय पहुंचे और एसडीएम रणवीर सिंह को ज्ञापन सौंपकर इस अवैध कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।किसान नेता पवन शुक्ला ने आरोप लगाया कि बीघापुर क्षेत्र में रात के अंधेरे में बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। बिना नंबर प्लेट के डंपर तेज रफ्तार से सड़कों पर दौड़ते हैं, जिससे न सिर्फ दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि खनन माफिया खुलेआम नियमों की अनदेखी कर खेतों से मिट्टी का अवैध उठाव कर रहे हैं, जिससे सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान हो रहा है।किसानों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि तहसील क्षेत्र में अवैध खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही किसानों ने आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान और अन्य स्थानीय समस्याओं के समाधान की भी मांग उठाई। इस दौरान पवन शुक्ला ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो किसान तहसील परिसर में अनशन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा और अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, ज्ञापन प्राप्त करने के बाद एसडीएम रणवीर सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट: गोविंद शुक्ला

तड़के सुबह 4 बजे से ही मंदिरों में भीड़, भक्तों ने भक्ति में खुद को किया समर्पित

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में नवरात्र के तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिरों में उमड़ पड़ी। शनिवार सुबह से ही शहर के प्रमुख दुर्गा मंदिरों के बाहर लंबी कतारें देखने को मिलीं। भक्तों ने पूरे विधि-विधान के साथ माता की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना की। घरों में भी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से माँ की आराधना की और व्रत रखकर धार्मिक अनुष्ठान किए।माँ चंद्रघंटा के स्वरूप के दर्शन के लिए मंदिरों को विशेष रूप से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक सजावट से मंदिर परिसर भक्ति माहौल में रंगा नजर आया। आचार्य विनोद पांडे ने बताया कि माँ चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन उपवास रखकर और दुर्गा सप्तशती का पाठ करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। शहर के विभिन्न मंदिरों—पोनी रोड स्थित सोमा गौरी मंदिर, झंडेश्वरी देवी मंदिर, महेश मार्ग स्थित माँ सिद्धिदात्री मंदिर, गांधीनगर का काली मंदिर, कंचन नगर का कंचना मंदिर, चंपापुरवा का मंशा देवी मंदिर और अन्य दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर बनी रही। राजधानी मार्ग स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा, जहां दर्शन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया। धार्मिक आस्था के इस अवसर पर मंदिरों में मुंडन और कर्णछिदन जैसे संस्कार भी संपन्न कराए गए। तड़के सुबह चार बजे से ही विशेष रूप से महिलाओं की भीड़ मंदिरों में दिखाई दी। मान्यताओं के अनुसार, दूर-दराज के गांवों से कई महिलाएं नंगे पैर चलकर माँ के दरबार में पहुंचीं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। इसके साथ ही भक्तों ने घरों और मंदिरों में कन्या भोज का आयोजन कर माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिरों में महिलाओं ने भजन-कीर्तन और देवी गीतों के माध्यम से भक्ति का माहौल और भी प्रगाढ़ कर दिया। आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के आसपास दोनों ओर अस्थायी दुकानें भी सज गई थीं, जहां श्रद्धालु पूजा सामग्री के साथ-साथ चुनरी, मूर्तियां, कंगन और अन्य धार्मिक वस्तुएं खरीदते नजर आए। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मंदिर परिसरों के अंदर और बाहर वर्दी तथा सादी वर्दी में पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और श्रद्धालु सुरक्षित रूप से दर्शन कर सकें। पूरे दिन शहर में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा।

उन्नाव में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मृतक की पहचान खानपुर सुरौली निवासी मनी उर्फ छोटू (21) पुत्र विजयपाल के रूप में हुई है। वह अपने बड़े भाई के साले विजय (18) पुत्र जालिपा निवासी परेंदा, थाना माखी के साथ शुक्रवार रात करीब नौ बजे मुंशीगंज जा रहा था। यह हादसा खानपुर सुरौली से मुंशीगंज मार्ग पर स्थित गांव जखैला के पास हुआ। सूचना मिलते ही एंबुलेंस चालक रामसिंह और ईएमटी बिजनेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया। वहां डॉ. पंकज वर्मा ने मनी उर्फ छोटू को मृत घोषित कर दिया। विजय की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रसूलाबाद जय प्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक मनी उर्फ छोटू के पिता विजयपाल की करीब सात माह पहले बीमारी के कारण मौत हो गई थी। मनी अपने दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई मुकेश और बहन पूजा का विवाह हो चुका है। मनी की मौत से मां बृजरानी सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

उन्नाव में दहेज की बलि चढ़ी बहू! नहर किनारे मिली लाश, पति गिरफ्तार

उन्नाव जिले में दहेज हत्या के एक सनसनीखेज मामले में थाना दही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार, बीते गुरुवार की रात थाना दही क्षेत्र के ग्राम रामपुर के सामने नहर पटरी के किनारे एक युवती का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। मृतका की पहचान माधुरी कोरी (22) पत्नी बालकिशन उर्फ बबलू कोरी, निवासी ग्राम रूपऊ, थाना माखी, जनपद उन्नाव के रूप में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।इस मामले में मृतका की परिजन यशोदा पत्नी राम नरेश, निवासी ग्राम सराइया, थाना कोतवाली सदर ने तहरीर दी। तहरीर के आधार पर थाना दही में दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मृतका के पति बालकिशन उर्फ बबलू और उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही माधुरी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था और इसी के चलते उसकी हत्या कर शव नहर किनारे फेंक दिया गया।घटना के खुलासे के लिए पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में थाना दही पुलिस की टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम केसरी खेड़ा नहर पटरी के पास से आरोपी पति बालकिशन उर्फ बबलू (28) पुत्र राम नारायण को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक शिवपाल सिंह और कांस्टेबल गौरव पाल शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान

दोषियों को किसी भी हाल में न बख्शने के सख्त निर्देश

मथुरा में 'फरसे वाले बाबा' की मौत के बाद तनाव फैल गया और लोगों ने हाईवे जाम कर विरोध किया। शुरुआती आरोप गोतस्करों पर लगे, लेकिन पुलिस ने इसे कोहरे में हुई सड़क दुर्घटना बताया। सीएम योगी ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में कर लिया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में गोरक्षक के रूप में पहचान रखने वाले 'फरसे वाले बाबा' की मौत के बाद शहर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़कों पर उतरकर दिल्ली-आगरा हाईवे को जाम कर दिया और जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 'फरसे वाले बाबा' की मौत को लेकर शुरुआती तौर पर आरोप लगाया गया कि गोतस्करों ने उन्हें कंटेनर से कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस खबर के फैलते ही उनके समर्थकों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और उन्होंने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। दिल्ली-आगरा हाईवे पर जाम लगने से यातायात प्रभावित हो गया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और स्थिति को नियंत्रित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि घटना में शामिल अपराधियों को किसी भी हालत में बख्शा न जाए और उन्हें जल्द से जल्द चिन्हित कर कठोर कार्रवाई की जाए। हालांकि, पुलिस जांच में सामने आई जानकारी के अनुसार मामला एक सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश पांडे ने बताया कि तड़के सुबह बरसाना थाना क्षेत्र के रहने वाले 'फरसे वाले बाबा' कुछ अन्य लोगों के साथ मवेशियों की तस्करी के संदेह में एक ट्रक को रोकने की कोशिश कर रहे थे। उसी दौरान घना कोहरा होने के कारण पीछे से आ रहे एक अन्य ट्रक ने खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 'फरसे वाले बाबा' गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी बाद में मौत हो गई। घटना के बाद उनके समर्थकों ने शव को सड़क पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और हाईवे जाम कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है और यातायात बहाल कर दिया गया है। वहीं, विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के नेता बच्चू सिंह ने कहा कि कुछ लोगों ने सड़क जाम करने की कोशिश की थी, लेकिन प्रशासन ने उन्हें समझाकर स्थिति को शांत कर दिया।फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महोबा में रिश्तों का कत्ल, ससुर ने विधवा बहू को उतारा मौत के घाट

टीवी भारतवर्ष महोबा

यूपी के महोबा में ससुर ने रिश्तों को शर्मशार करते हुए विधवा बहू की लोहे की रॉड से पीट-पीट कर हत्या कर दी। ससुर विधवा बहू पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था और बहू के इनकार करने पर पोती के सामने ही उसकी मां को मौत के घाट उतार दिया। जबकि महिला के पति की 2025 में कुंभ मेले में मची भगदड़ में मौत हो गई थी। ससुर ने बहू पर डोरे डालने शुरू कर दिए थे। महोबा जिले से आई यह वारदात सिर्फ एक हत्या नहीं रही बल्कि उस दरिंदगी की कहानी बन गई है, जहां ससुर ही अपनी बहू का कातिल बन बैठा है। जिस घर में महिला को सहारा और सुरक्षा मिलना चाहिए वहां उसी की बेटी के सामने उसकी जिंदगी छीन ली गई। यह घटना केवल एक हत्या नहीं रही बल्कि इसके पीछे हवस, दबाव व प्रताड़ना की खौफनाक कहानी छिपी है। मृतका के पिता धवारी गांव निवासी लखन ने बताया कि उसने अपनी बेटी सुखदेवी की शादी चरखारी थाना क्षेत्र के कुरौराडांग निवासी आशाराम पुत्र दयाराम पाल के साथ की थी। बताया कि दामाद आशाराम की 2025 में प्रयागराज में कुंभ मेले में मची भगदड़ में मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद ससुर दयाराम की विधवा बहू पर नजरें डोलने लगी और उसने बहू पर गंदी नजर डालनी शुरू कर दी। जिसकी सूचना बेटी ने अपनी मां और अन्य परिजनों को दी। जिसके बाद रिश्तेदारों और संभ्रांत लोगों की मौजूदगी में समझौता कराया गया, लेकिन हवस का पुजारी ससुर अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। मृतका के पिता ने आरोप लगाते हुए कहा कि गुरुवार को ससुर ने अपनी विधवा बहू को मौका पाकर गलत नियत से पकड़ लिया। बहू के विरोध करने और शोर शराबा मचाने पर नातिन प्रतिज्ञा और अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए।

दिनदहाड़े कैंपस में गोलीकांड छात्र की हत्या से दहली काशी

टीवी भारतवर्ष वाराणसी

धर्म और शिक्षा की नगरी काशी शुक्रवार को उस समय दहल उठी, जब प्रतिष्ठित उदय प्रताप (यू.पी.) कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बीए चौथे सेमेस्टर के छात्र सूर्य प्रताप सिंह (23) को कथित तौर पर उनके ही साथी छात्र ने आपसी विवाद के चलते निशाना बनाया। इस घटना के बाद कॉलेज कैंपस में भारी तनाव और हिंसा का माहौल बन गया। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह करीब 11 बजे सोशल साइंसेज फैकल्टी बिल्डिंग के एक गलियारे में हुई। चश्मदीदों ने बताया कि मनजीत चौहान नाम के छात्र ने बेहद करीब से सूर्य प्रताप सिंह पर फायरिंग की। बताया जा रहा है कि हमलावर ने चार गोलियां चलाईं, जो सिर और सीने में लगीं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। भागते समय उसने एक दीवार फांदी और पास के कूड़े के ढेर में पिस्तौल फेंक दी, जिसे पुलिस ने बाद में बरामद कर लिया। घायल अवस्था में सूर्य प्रताप सिंह को पहले मालदहिया स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पोस्टमार्टम हाउस पर पीड़ित के पिता फूट-फूटकर रो पड़े और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। सूर्य प्रताप सिंह गाजीपुर जिले के निवासी थे और वाराणसी में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें एक होनहार और लोकप्रिय छात्र के रूप में जाना जाता था। वह अपने माता-पिता ऋषिदेव सिंह और किरण सिंह के इकलौते बेटे थे, जबकि परिवार में उनकी दो बहनें हैं।

गेंद लेने गया मासूम, फिसलते ही निर्माणाधीन प्लॉट में हुआ भयानक हादसा

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मिर्जापुर में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। खेलते समय एक 13 वर्षीय बच्चे के साथ ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। मासूम ऋषभ, पुत्र राजकुमार, खेल-खेल में निर्माणाधीन प्लॉट में चला गया, जहां पिलर से निकले लोहे के सरिये ने उसके गले को आर-पार कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ऋषभ अपने दोस्तों के साथ पास ही खेल रहा था। इसी दौरान उनकी गेंद पास के एक खाली और निर्माणाधीन प्लॉट में चली गई। गेंद लाने के लिए ऋषभ जैसे ही प्लॉट के अंदर गया, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और उसका पैर फिसल गया। गिरते समय वह सीधे एक अधूरे पिलर से टकराया, जिसमें से लोहे का सरिया बाहर निकला हुआ था। यह सरिया उसके गले में घुसकर आर-पार हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। परिजनों को सूचना दी गई और गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए गैस कटर की व्यवस्था की और सावधानीपूर्वक सरिये को काटा, ताकि बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। इसके बाद घायल ऋषभ को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, उसकी हालत बेहद गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. प्रदीप राणा के अनुसार, बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश और चिंता दोनों देखने को मिल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माणाधीन स्थलों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं होती हैं।